>

Title : Need to connect district Shrawasti in Uttar Pradesh with rail service.

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय (श्रावस्ती): महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान मेरे संसदीय क्षेत्र श्रावस्ती की ओर दिलाना चाहता हूँ। श्रावस्ती को अहिंसा के पुजारी भगवान बुद्ध की तपोस्थली होने के साथ साथ जैन तीर्थंकर भगवान संभवनाथ की जन्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है। इसके चलते वहां हर साल हजारों की संख्या में विदेशी एवं देशी पर्यटकों की आवाजाही होती है। वर्तमान में श्रावस्ती में रेल यातायात की कोई सुविधा नहीं है। यदि श्रावस्ती को रेल मार्ग से जोड़ दिया जाए तो यहां पर आने वाले विदेशी पर्यटक जो कि मुख्यतः श्रीलंका, थाईलैंड, बर्मा, कंबोडिया, जापान, कोरिया, आदि देशों से आते हैं, उनकी संख्या में कई गुणा बढ़ोतरी संभव है जिकसे फलस्वरूप उनसे मिलने वाले राजस्व/िवदेशी मुद्रा में भी बढ़ोतरी हो सकेगी एवं श्रावस्ती में लोगों को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

इसके अलावा रेलमार्ग से न जुड़े होने के कारण श्रावस्ती जिला औद्योगिकरण से पूर्णतः वंचित है जिसके चलते जिले में बेरोजगारी व्याप्त है। जरवल रोड से मिनगा-सिरसिया होते हुए तुलसीपुर तक/अथवा खलीलाबाद-बलरामपुर-श्रावस्ती-भिनगा-इकौना-गिलौला होते हुए बहराईच तक रेलवे लाइन बिछाने के प्रस्ताव पर यथाशीघ्र अमल किया जाये। रेल सेवा श्रावस्ती के पर्यटन एवं विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है तथा श्रावस्ती को भगवान बुद्ध की तपोस्थली के रूप में विश्व मानचित्र पर जगह मिल सकेगी। अतः मेरी आपसे आग्रह है कि श्रावस्ती को अविलंब रेल मार्ग से जोड़ा जाए।